अगर श्याम बंसी बजाई न होती

अगर श्याम बंसी बजाई न होती,
कोई प्रेमिका मुस्कुराई न होती,
अगर राधिका दिल लगाई न होती,
कभी प्रीत दुनिया में आई न होती
अगर श्याम बंसी बजाई न होती,

अगर रास ब्रिज में न मोहन रचाते,
भाव ज़माने में नही देख पाते,
जो कान्हा में राधा समाई न होती,
कही दिल किसी ने लगाई न होती,
अगर श्याम बंसी बजाई न होती,

अगर कान्हा के राधा बन जाती नारी,
नही प्रीत रिश्तो में हो पाती भरी ,
अगर राधिका प्यार पाई न होती,
जो मोहन की मुरली चुराई न होती,
अगर श्याम बंसी बजाई न होती,

राधा के कान्हा होते न दीवाने,
महोबत के मोसम न होते सुहाने,
अगर गोपियाँ सब न होती बेगानी,
नये इश्क की कोई बनती कहानी,
अगर श्याम बंसी बजाई न होती,

Source:
https://www.bharattemples.com/agar-shyam-bansi-bajaai-na-hoti-koi-premika-mushkaai-na-hoti/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw